(c) the measures proposed to help establish a domestic base to enhance exports of such tobacco products;

(d) whether any discussions were held with the exporting units and industry to strengthen tobacco exports; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULLI RAMAIAH): (a) and (b) The quantity and value of tobacco exported (product-wise) during the last four years is as follows:—

Qty. — MTs
Value — Crores

	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96 (April—Feb.)
1. Unmanufactured Tobacco	(Q) 70607	90493	42930	61558
	(V) 355.57	368.26	184.13	284.60
2. Bidis, Cigars, Cherrots, Cigarillos, and Cigarettes	(Q) 4685	4416	2435	1745
	(V) 56.26	54.55	35.01	28.73
3. Hookah/Gooduku tobacco, Chewing tobacco, Jarda & Snuff	(Q) 12960	9768	8386	6710
	(V) 61.85	38.39	35.61	13.65

(c) Some of the steps taken to enhance exports of tobacco include, inter-alia, reorientation of production of tobacco to meet changing international needs, enhancement of quality and productivity levels, monitoring and strict control of pesticide residues, aligning grading to international standards and permitting imports for product development.

(d) and (e) Tobacco Board is in constant touch with the industry to strengthen and enhance exports. Corrective actions are initiated to overcome bottlenecks in exports of tobacco as and when they arise.

Amendment to Payment of Gratuity Act

3334. **SHRIMATI BASANTI SARMA:** Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether by the amendment to the Payment of Gratuity Act the Estimated eight lakhs employees did actually get the benefit of the amendment;

(b) if so, the details in this regard;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) the steps to be taken to ensure that the employees get the benefit of the Act?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) (b) and (d) Prior to 24-5-94 provisions of the Payment of Gratuity Act, 1972 were not applicable to employees drawing wages exceeding Rs. 3500/- per month. The Act was amended on 24-5-94 and the above ceiling on wages for coverage under the Act was removed bringing thereby a number of employees within the purview of this Act. Provisions of this Act are enforced by the appropriate Government, in accordance with the relevant provisions.

(c) Does not arise.

इस्पात की उत्पादन लागत

3335. **श्री अनन्तराव देवशंकर दवेः**
श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्लः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हमारे देश में इस्पात की उत्पादन लागत (कर सहित और कर रहित) अमरीका, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी और दक्षिण कोरिया जैसे इस्पात उत्पादक देशों की उत्पादन लागत की तुलना में कम है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या देश में इस्पात की वर्तमान उत्पादन लागत में कोई कमी किए जाने की संभावना है;

(घ) क्या विदेशी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्वदेशी इस्पात की बिक्री करना अलाभप्रद है;

(ङ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(च) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई उचित उपाय किए हैं?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद वैश्य): (क) से (ग) अन्य देशों में इस्पात के उत्पादन की लागत के संबंध में प्रामाणिक आंकड़े उपलब्ध नहीं है। इस्पात के विभिन्न उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय लागत, प्रतिस्पर्धात्मकता कई घटकों जिनमें गुणवत्ता, भाड़ा, लेवी और कर आदि शामिल हैं, जो विभिन्न देशों में अलग-अलग हैं, पर निर्भर करती है।

तथापि, औद्योगिक लागत एवं मूल्य ब्यूरो (सी०आई०सी०पी०) ने हाल ही में इस्पात लागत अध्ययन के संबंध में एक दौरा रिपोर्ट प्रस्तुत की है। बी०आई०सी०पी० की रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण कोरिया और जापान की तुलना में भारत में परिसज्जित इस्पात की कारखाना बाह्य उत्पादन लागत तथा अमरीका और यूनाइटेड किंगडम की तुलना में भारत में विक्रय इस्पात की कारखाना बाह्य उत्पादन लागत नीचे दर्शाई गई है:—

1. भारत बनाम कोरिया और जापान वर्ष (1994-95)

देश	(अमरीकी डालर में लागत प्रति टन)	अभ्युक्ति
1	2	3
भारत		
(सेल: बोकारो)	411.65	
(सेल: भिलाई)	265.50	यह तुलना 1994-95 के लिए परिसज्जित इस्पात से संबंधित है।
कोरिया		
(पोहांग, पास्को)	569.77	
जापान		
(निप्पित्सु, नित्पोन)	591.13	

2. भारत बनाम यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका

देश	वर्ष (1994-95) (अमरीकी डालर में लागत प्रति टन)	अभ्युक्ति
भारत (सेल)	410	यह तुलना 1994 में विक्रेय इस्पात से संबंधित है।
संयुक्त राज्य अमेरिका	500	
यूनाइटेड किंगडम	423	

कुछ उपाय जिनसे मौजूदा उत्पादन लागत कम की जा सकती है, में शामिल है—क्षमता उपयोगिता बढ़ाना, उत्पादकता में सुधार करना, ऊर्जा संरक्षण उपाय करना, प्रभावी अनुरक्षण के जरिए उपस्करों की उपलब्धता में सुधार करना, उत्पाद मिश्र में सुधार करना, मूल्य वर्धित मदें बनाना और ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करना, कोक, ऊर्जा, भण्डार और हिस्से-पुर्जे आदि जैसे आदानों की खपत में कमी करना।

'सेल' के बोकारो, राउरकेला और दुर्गापुर स्थित संयंत्रों में इस समय चल रहे आधुनिकीकरण कार्यक्रमों का उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ उत्पादन लागत में कमी करना है।

(घ) से (च) इस्पात के निर्यात की लाभप्रदता विभिन्न घटकों जैसे अन्तर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजार में मांग, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मूल्य, निर्यात लाभ आदि पर निर्भर करती है। चूंकि वर्तमान नीति के अनुसार इस्पात का निर्यात निर्बाध रूप से करने की अनुमति है, इसलिए इस्पात का निर्यात करने का निर्णय उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा अपने आर्थिक दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए स्वयं लिया जाता है।

Clearance of proposals pending before FIPB

3336. **DR. D. VENKATESHWAR RAO**: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether as on date more than 170 proposals from foreign investors are pending before the FIPB;

(b) whether revamped FIPB had urged to set up and approve the priority projects;